बाल भारती पब्लिक पीतमपुरा स्कूल ,दिल्ली -110034

साप्ताहिक योजना

कक्षा - दसवीं

कालांश -03

दिनाँक -2/11/20 से 6 /11/20 तक

विषय- स्पर्श भाग -2

उपविषय -कारतूस

टोपी शुक्ला (संचयन)

अधिगम प्रतिफल -

(१) एकांकी के नायक के चरित्र को समझाना

(२) रचनाकार के उद्देश्य को स्पष्ट करना

(३) एकांकी में आए संवेदनशील स्थलों का चुनाव करना।

(४) देश की आंतरिक एवं बाह्य समस्याओं को समझाने का प्रयास करना।

अधिगम सहायक सामग्री-

https://youtu.be/DAtnYqY-O8A

https://youtu.be/q4ZPpGC8HvU

https://youtu.be/J5gUCiBEVFU

http://ncertbooks.prashanthellina.com/class_10.Hindi.Sparsh/ch-17.pdf

http://ncertbooks.prashanthellina.com/class_10.Hindi.SanchayanBhag2/ch-3.pdf (संचयन)

https://youtu.be/A-XVcyb0AzE (टोपी शुक्ला)

कालांश -1

पाठ परिवर्धन-

पाठ के अंत में शब्दार्थ दिए गए है। पहले सभी विद्यार्थी शब्दों को पढ़ेंगे एवं समझेंगे।

पाठ वाचन एवं चर्चा

BALBHARATI PITAMPURA

पाठ का सार -

आसिफ़उद्दौला अवध का नवाब था। उसकी अपनी संतान न होने के कारण उसका छोटा भाई सआदत अली खुद को आसिफ़उद्दौला का उत्तराधिकारी मानता था। लेकिन फिर आसिफ़उद्दौला के पुत्र वज़ीरअली का जन्म हुआ। वज़ीरअली के जन्म के बाद सआदत अली का अवध का राजा बनने का सपना टूट गया, इसी कारण सआदत अली,वज़ीर अली से बेहद नफ़रत करता था और उसको किसी भी तरह अवध से बाहर भेजना चाहता था। अपनी बात को हकीक़त में बदलने के लिए उसने अंग्रेज़ों की मदद की। अंग्रेज़ों ने उसे अवध का नवाब बना दिया और वज़ीरअली को बनारस भेज दिया, यह कहकर कि बनारस में रहने पर उसे हर साल तीन लाख रुपए वजीफ़ा दिया जाएगा। वज़ीरअली को बनारस भेजने के कुछ ही महीनों बाद उसे गवर्नर जनरल द्वारा कोलकाता बुलाया गया। इसकी वजह पूछने जब वह बनारस में रहने वाले कंपनी के वकील के पास गया तो उसने उसकी बात सुनने के बजाय उसे दुत्कार दिया। इस अपमान का बदला लेने के लिए उसने वकील का खून कर दिया और सज़ा से बचने के लिए अपने साथियों के साथ आजमगढ़ के जंगलों की ओर भाग गया। वह अँग्रेज़ सरकार से बचकर नेपाल जाना चाहता था। फिर अफ़ग़ानिस्तान के साथ मिलकर भारत पर हमला करके सआदत अली को उसके पद से हटाकर खुद वहाँ का नवाब बनकर अंग्रेजों को देश से निकालना चाहता था वह एक निडर, साहसी और बहादुर देश भक्त था। यह बात अंग्रेज़ों के उन लेफ्टिनेंट और कर्नल को भी पता थी जो उसको पकड़ने के लिए कई हफ्तों से जंगल में छावनी बनाकर रह रहे थे। वे उसकी तुलना रॉबिन हुड से करते हैं तथा उसकी वीरता के कायल हैं क्योंकि केवल पाँच महीने के अपने कार्यकाल में उसने अंग्रेजों की नाक में दम कर दिया था। उसने अपनी निडरता का प्रमाण देने के लिए अंग्रेजों के खेमे में घुसकर कर्नल से दस कारतूस माँग लिए और कर्नल कुछ सोचे और करे, इसके पहले ही वह अपना असली परिचय देकर वहाँ से चला गया। कोई उसका कुछ नहीं बिगाड़ पाता। कर्नल हक्का-बक्का रह जाता है। अंत में, वह उसकी बहादुरी की प्रशंसा करता है।

कालांश -2

प्रश्नोत्तर -

1 वजीर अली को नेपाल पहुँचने में क्या दिक्कतें थीं?

2 सवार ने क्यों कहा कि वज़ीर अली की गिरफ़्तारी बहुत मुश्किल है?

3 वजीर अली के अफ़साने सुनकर कर्नल को रॉबिनहुड की याद क्यों आ जाती थी?

4 कारतूस ' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए कि वज़ीर अली एक नीति कुशल योद्धा था।

5 सआदत अली को अवध के तख्त पर बिठाने के पीछे कर्नल का क्या मकसद था?

6 वजीर अली के अफ़साने सुनकर कर्नल को रॉबिनहुड की याद क्यों आ जाती थी?

7. वज़ीर अली एक जाँबाज़ सिपाही था, कैसे? स्पष्ट कीजिए।

नोट-विद्यार्थी उपर्युक्त प्रश्नों को अपनी कॉपी में करेंगे।

निम्न मुहावरों के वाक्य बनाओ -

BALBHARATI PITAMPURA

1 आँखों में धूल झोंकना-धोखा देना

2 हाथ न आना-पकड़ा न जाना

3. काम तमाम करना-जान से मार डालना

4 नज़र रखना-निगरानी करना

5 हक्का-बक्का होना -हैरान रह जाना

गतिविधि **- कार्य प्रपत्र (केस अध्ययन) कक्षा परिचर्चा**

इतिहास साक्षी है कि अंग्रेज़ों ने अपनी नीति' फूट डालो शासन करो 'के कारण पूरे भारतवर्ष में अपना साम्राज्य स्थापित कर लिया था। आपसी फूट सदैव हानिकारक होती है इससे आप कितना सहमत है?

(ऐतिहासिक तथ्यों द्वारा स्पष्टीकरण कीजिए।)

कालांश -3

टोपी शुक्ला

पाठ का सार

'टोपी शुक्ला' दो अलग-अलग धर्मों से जकड़े बच्चों और एक बच्चे व एक बूढ़ी दादी के बीच स्नेह की कहानी है । इफ़्फ़न और टोपी शुक्ला दोनों गहरे दोस्त थे। एक दूसरे के बिना अधूरे थे, परंतु दोनों की आत्मा में प्यार की प्यास थी। टोपी हिंदू धर्म का था और इफ़्फ़न की दादी मुस्लिम। परंतु जब भी टोपी इफ़्फ़न के घर जाता दादी के पास ही बैठता। उनकी मीठी पूरबी बोली उसे बहुत अच्छी लगती थी। दादी पहले अम्मा का हाल-चाल पूछती ।दादी उसे रोज़ कुछ खाने को देती, परंतु टोपी खाता नहीं था। फिर भी उनका हर शब्द उसे गुड़ की डली -सा लगता था। इसलिए उनका रिश्ता अटूट था। इफ़्फ़न की दादी जितना प्यार इफ़्फ़न को करती. उतना ही टोपी को भी करती थीं, टोपी से अपनत्व रखती थीं। उनकी मृत्यु के बाद टोपी को ऐसा लगा मानो उस पर से दादी की छत्रच्छाया ही खत्म हो गई है। टोपी को इफ़्फ़न की दादी की मृत्यु के बाद उसका घर खाली-सा लगने लगा। इफ़्फ़न की दादी के प्रति उसके मन में बहुत प्रेम था, बदले में ऐसा ही प्रेम उसे उनसे भी प्राप्त हुआ था, किंतु ऐसी ममता उसे अपनी दादी से नहीं मिली थी। इसी कारण उसने इफ्फन को यह कहकर सांत्वना दी कि तेरी दादी की जगह हमारी दादी मर गई होती, तो ठीक होता। दस अक्टूबर सन पैंतालिस को इफ़्फ़न के पिता का तबादला मुरादाबाद हो गया और वे चले गए। अपने प्रिय दोस्त के चले जाने से वह बहुत दुखी हुआ। उसी दिन उसने एक कसम खाई कि अब वो कभी ऐसे किसी लड़के से दोस्ती नहीं करेगा. जिसके पिता का नौकरी में तबादला होता हो। घर में टोपी का दुख समझने वाला कोई न था। बस घर की नौकरानी सीता उसका दुख समझती थी। जाड़ों के दिनों में मुन्नी बाबू और भैरव के लिए नया कोट बना। टोपी को मुन्नी बाबू का कोट मिला, कोट नया था, पर था तो उतरन, टोपी ने वह कोट उसी वक्त नौकरानी के बेटे को दे दिया। टोपी को बिना कोट के जाड़ा सहन करने के लिए मजबूर होना पड़ा। अब टोपी दसवीं कक्षा में पहुंच गया। वह दो साल फेल हो गया भा। उसे पढ़ने का उचित समय नहीं मिलता

RAJBHARATI PITAMPURA

था। पिछली दर्जे के छात्रों के साथ बैठना उसे अच्छा नहीं लगता था। अब वह अपने घर के साथ-साथ स्कूल में भी अकेला हो गया था। मास्टर ने भी उस पर ध्यान देना बंद कर दिया था। टोपी को भी शर्म आने लगी थी। जब उसके सहपाठी अब्दुल वहीद ने उस पर व्यंग्य बाण कसा तो उसे बहुत बुरा लगा। उसने पास होने की कसम खाई। इसी बीच चुनाव आ गए। डॉ. भृगु नारायण चुनाव हार गए। घर का वातावरण शांत और गंभीर हो गया। जैसे-तैसे टोपी तीसरे साल पास हुआ वह भी तीसरी श्रेणी में। दादी बोली टोपी को भगवान बुरी नज़र से बचाए, चलो पास हुआ। परंतु लेखक कहता है कि सभी को उसकी मुश्किलों को भी ध्यान में रखना चाहिए कि वह किस वजह से दो साल फेल हुआ और तीसरी साल में थर्ड डिविज़न से पास हुआ । ऐसे वातावरण में पास हो जाना ही काफ़ी था। आज के समाज के लिए ऐसी ही दोस्ती की आवश्यकता है, जो धर्म के नाम पर खड़ी दीवारों को गिरा सके और समाज का सर्वांगीण विकास कर सके। साथ ही लेखक ने यह भी बताया है कि बचपन में बच्चे को जहाँ से अपनापन और प्यार मिलता है, वह वहीं रहना चाहता है।

प्रश्नोत्तर

1 इफ़्फ़न की दादी अपने पीहर क्यों जाना चाहती थीं?

2 इफ्फ़न की दादी अपने बेटे की शादी में गाने-बजाने की इच्छा पूरी क्यों नहीं कर पाई?

3 टोपी और इफ़्फ़न की दादी अलग-अलग मज़हब और जाति के थे, पर एक अनजान अटूट रिश्ते में बंधे थे। इस कथन पर में विचार लिखिए।

4 रामदुलारी की मार से टोपी पर क्या प्रभाव पड़ा?

5. टोपी और इफ़्फ़न की मित्रता भारतीय समाज के लिए किस प्रकार प्रेरक है?

नोट-विद्यार्थी उपर्युक्त प्रश्नों को अपनी कॉपी में करेंगे।

मूल्यांकन प्राप्त करने की विधि ,सप्ताह के दौरान सीखने के साक्ष्य-

मौखिक चर्चा ,**गृहकार्य** ,**मौखिक** प्रश्नोत्तर

BALBHARATI PITAMPURA

BALBHARATI PITAMPURA